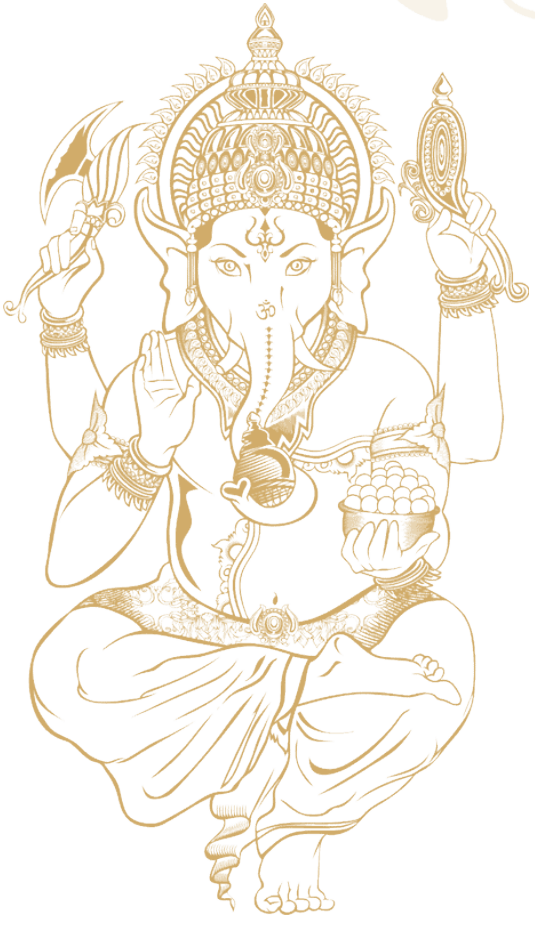

Pt.Sumit. Sharma

Pt.Jyoti. Sharma

Model: Horoscope-Matching

Order No: 120947901

Model: Horoscope-Matching

Order No: 120947901 Date: 16/01/2026

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
02/11/1983	जन्म तिथि	04/05/1984
बुधवार	दिन	शुक्रवार
घंटे 14:50:00	जन्म समय	09:45:24 घंटे
घटी 20:58:17	जन्म समय(घटी)	10:18:09 घटी
India	देश	India
Gwalior	स्थान	Gwalior
26:12:00 उत्तर	अक्षांश	26:12:00 उत्तर
78:09:00 पूर्व	रेखांश	78:09:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:17:24	स्थानिक संस्कार	-00:17:24 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:26:41	सूर्योदय	05:38:08
17:35:10	सूर्यास्त	18:50:38
23:37:34	चित्रपक्षीय अयनांश	23:38:01

कुम्भ	लग्न	मिथुन
शनि	लग्न लग्नाधिपति	बुध
कन्या	राशि	वृष
बुध	राशि-स्वामी	शुक्र
हस्त	नक्षत्र	मृगशिरा
चन्द्र	नक्षत्र स्वामी	मंगल
1	चरण	1
वैधृति	योग	अतिगण्ड
गर	करण	गर
पू-पुरुषोत्तम	जन्म नामाक्षर	वे-वैशाली
वृश्चिक	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृष
वैश्य	वर्ण	वैश्य
मानव	वश्य	चतुष्पाद
महिष	योनि	सर्प
देव	गण	देव
आद्य	नाड़ी	मध्य
मूषक	वर्ग	मृग

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

ग्रह	राशि	अंश
लग्न	मिथु	21:10:04
सूर्य	मेष	20:15:09
चंद्र	वृष	25:51:11
मंगल व	तुला	29:42:02
बुध व	मेष	02:44:49
गुरु व	धनु	19:17:54
शुक्र	मेष	08:47:41
शनि व	तुला	19:23:09
राहु	वृष	12:59:42
केतु	वृश्चि	12:59:42
हर्ष व	वृश्चि	19:03:05
नेप व	धनु	07:31:45
प्लूटो व	तुला	06:44:22

विंशोत्तरी	अंश	राशि
चन्द्र 8वर्ष 3मा 17दि	21:32:44	कुंभ
गुरु	15:45:09	तुला
18/02/2017	12:16:14	कन्या
18/02/2033	26:48:44	सिंह
गुरु 08/04/2019	17:27:06	तुला
शनि 19/10/2021	19:03:45	वृश्चि
बुध 25/01/2024	29:13:55	सिंह
केतु 31/12/2024	13:52:04	तुला
शुक्र 01/09/2027	22:49:56	वृष व
सूर्य 19/06/2028	22:49:56	वृश्चि व
चन्द्र 19/10/2029	13:57:24	वृश्चि
मंगल 25/09/2030	03:38:11	धनु
राहु 18/02/2033	06:14:06	तुला

विंशोत्तरी
मंगल 5वर्ष 8मा 3दि
शनि
07/01/2024
07/01/2043
शनि 10/01/2027
बुध 19/09/2029
केतु 29/10/2030
शुक्र 28/12/2033
सूर्य 10/12/2034
चन्द्र 11/07/2036
मंगल 19/08/2037
राहु 25/06/2040
गुरु 07/01/2043

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

23:37:34 चित्रपक्षीय अयनांश **23:38:01**

लग्न-चलित

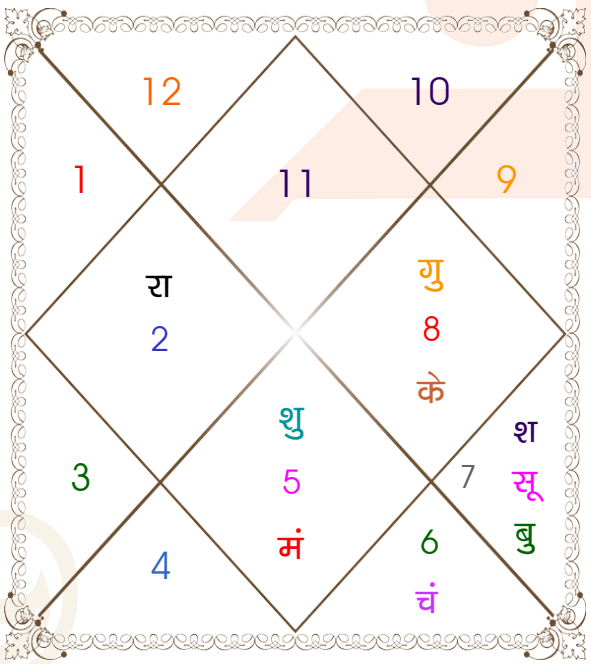

लग्न-चलित

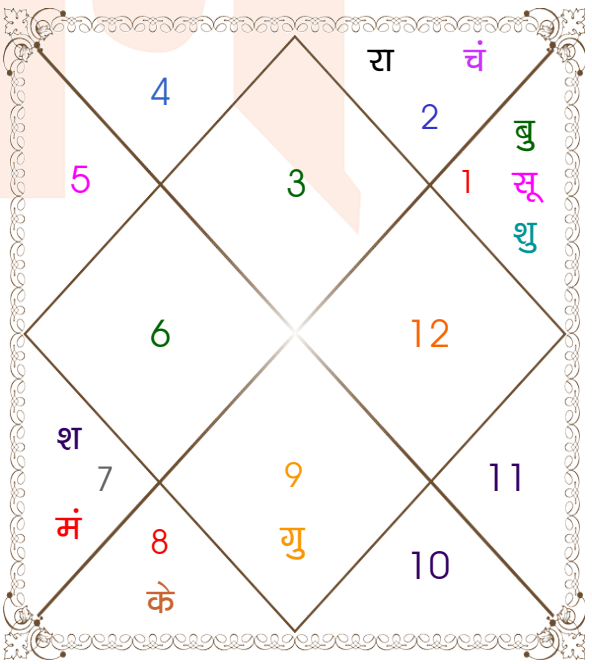

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	चतुष्पाद	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	अतिमित्र	सम्पत	3	3.00	--	भाग्य
योनि	महिष	सर्प	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	बुध	शुक्र	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	देव	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	कन्या	वृष	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	26.00		

कुल : **26 / 36**

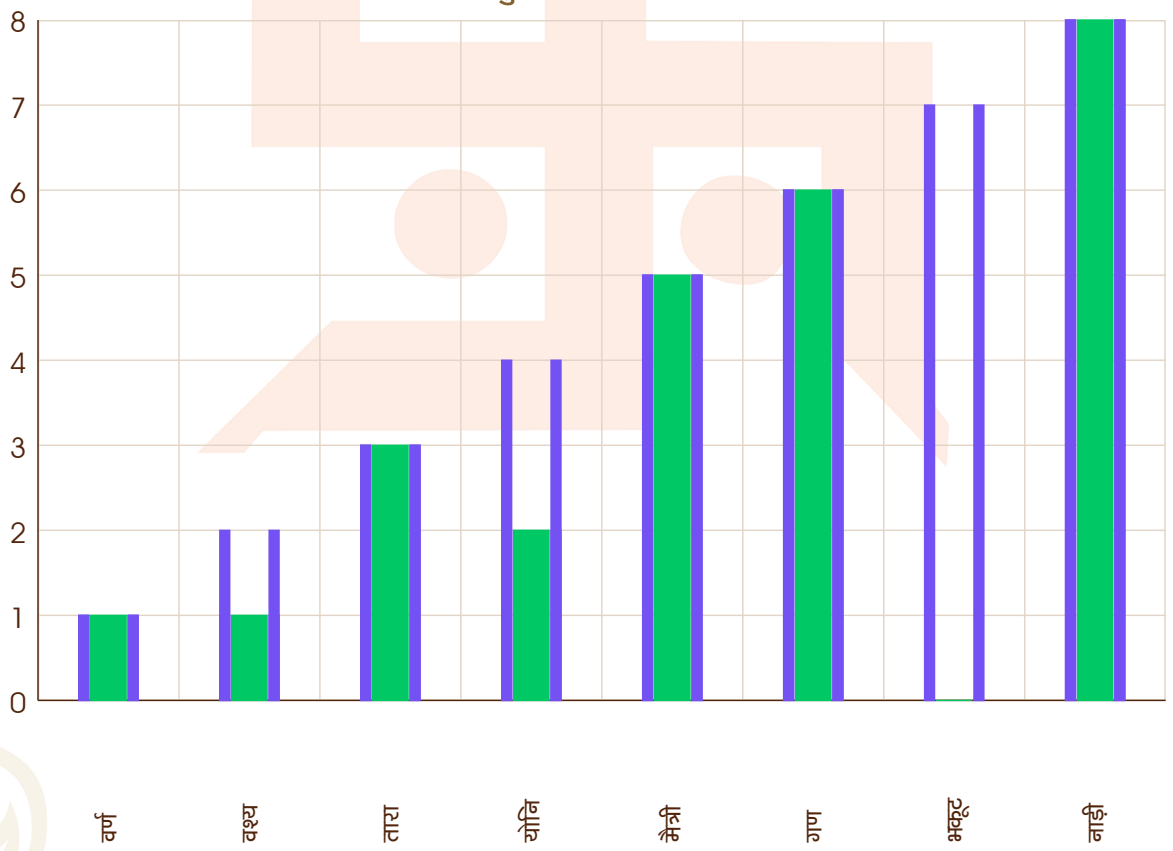

अष्टकूट मिलान

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

च्जण्ैनउपजण्ैंतउं का वर्ग मूषक है तथा च्जण्श्रलवजपण्ैंतउं का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार च्जण्ैनउपजण्ैंतउं और च्जण्श्रलवजपण्ैंतउं का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

च्जण्ैनउपजण्ैंतउं मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

च्जण्श्रलवजपण्ैंतउं मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में पंचम् भाव में स्थित है।

च्जण्ैनउपजण्ैंतउं तथा च्जण्श्रलवजपण्ैंतउं में मंगलीक मिलान ठीक नही है।

निष्कर्ष

मंगलीक दोष के कारण मिलान ठीक नहीं हैं।

अष्टकूट फलादेश

वर्ण

च्जैनउपजणॅीतउं का वर्ण वैश्य है तथा च्जण्श्रलवजपणॅीतउं का वर्ण भी वैश्य है। इसमें दोनों का वर्ण समान है अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। इसके कारण च्जैनउपजणॅीतउं और च्जण्श्रलवजपणॅीतउं दोनों की सोच भौतिकवादी सोच होगी तथा रूपये-पैसे को ज्यादा महत्व देंगे। च्जैनउपजणॅीतउं और च्जण्श्रलवजपणॅीतउं दोनों मितव्ययी होंगे तथा भविष्य के लिए धन का संचय करना पसन्द करेंगे। साथ ही दोनों एक-दूसरे के विचारों का सम्मान कर तथा आपस में विचार-विमर्श करके ही बुद्धिमत्तापूर्वक निवेश करेंगे।

वश्य

च्जैनउपजणॅीतउं का वश्य द्विपद अर्थात मनुष्य है एवं च्जण्श्रलवजपणॅीतउं का वश्य चतुष्पद अर्थात पशु है अतः यह मिलान औसत मिलान होगा। यद्यपि कि जानवर एवं मनुष्य के स्वभाव, गुण, पसंद/नापसंद अलग-अलग होते हैं फिर भी दोनों एक-दूसरे के सान्निध्य में जीवन व्यतीत करते हैं। फलस्वरूप च्जैनउपजणॅीतउं एवं च्जण्श्रलवजपणॅीतउं दोनों प्रेम एवं सौहार्द के साथ एक-दूसरे के साथ जीवन व्यतीत कर सकेंगे। च्जण्श्रलवजपणॅीतउं अपने पति की हर आज्ञा शिरोधार्य करेगी तथा बदले में च्जैनउपजणॅीतउं अपनी पत्नी की देखभाल करेगा तथा उसे प्रेम प्रदान करेगा।

तारा

च्जैनउपजणॅीतउं की तारा अतिमित्र तथा च्जण्श्रलवजपणॅीतउं की तारा सम्पत है। अतः दोनों की तारा अनुकूल होने के कारण यह मिलान अति उत्तम मिलान है। यह विवाह वैवाहिक जीवन एवं परिवार के लिए चहुंमुखी समृद्धि का मार्ग प्रशस्त करता रहेगा। साथ ही दोनों एक-दूसरे के लिए काफी भाग्यशाली साबित होंगे। च्जैनउपजणॅीतउं हमेशा च्जण्श्रलवजपणॅीतउं के साथ मित्रवत व्यवहार करता रहेगा तथा उसे असीम प्रेम एवं प्यार देता रहेगा। इनके बच्चे भी काफी बुद्धिमान, भाग्यशाली, आज्ञाकारी एवं सफल होंगे।

योनि

च्जैनउपजणॅीतउं की योनि महिष है तथा च्जण्श्रलवजपणॅीतउं की योनि सर्प है। अर्थात दोनों की योनि समान नहीं हैं और इनके बीच उदासीनता का अर्थात सम संबंध है। अतः यह मिलान औसत मिलान कहलायेगा। जिसके कारण दोनों के बीच आपसी समझबूझ का अभाव रहेगा तथा जीवन में सहयोग की भावना एवं प्रेम का अभाव भी बना रहेगा। दोनों के बीच अक्सर लड़ाई झगड़े होंगे तथा परिवार में तनाव तथा अशांति का भाव भी रह सकता है। साथ ही दोनों के बीच अविश्वास की भावना भी बनी रहेगी। दोनों एक दूसरे को संदेह की भावना से देखेंगे जिससे दोनों के बीच कटुता का भाव भी पैदा होगा। दोनों के बीच आपसी समझ की कमी भी रहेगी अतः दोनों के बीच वैचारिक मतभेद भी हो सकते हैं। संभव है कि दोनों के बीच अवैध संबंध को लेकर संदेह की भावना बन जाये जिसके कारण पारिवारिक तनाव

भी हो सकता है। बात-बात में दोनों के बीच में कभी कभी तर्क-वितर्क की जगह कुतर्क भी हो सकता है। वर या कन्या में से कोई भी विश्वासघात भी कर सकता है। जिसके कारण दोनों के बीच लड़ाई झगड़ा भी हो सकता है। इनको अपने जीवन में अत्याधिक संघर्ष के उपरांत ही सफलता प्राप्त होगी अतः कठिन परिश्रम की आवश्यकता पड़ेगी। इसके बावजूद इनको अपने जीवन में सफलता कम ही मिलेगी। अर्थात मेहनत अधिक और परिणाम कम ही मिलने की संभावना है। जिसके कारण दोनों को समय-समय पर मानसिक पीड़ा होती रहेगी। पारिवारिक आय औसत ही रहेगी। अर्थात धनागम के स्रोत कम ही रहेंगे। पति-पत्नी के बीच विचारों में भिन्नता होगी एवं जीवन में उतार-चढ़ाव बने रहेंगे। दोनों लापरवाह प्रवृत्ति के होंगे किंतु परिवार के प्रति कर्तव्यनिष्ठ रहेंगे। दोनों के बीच रोमांस एवं सेक्स में रुचि की कमी भी रह सकती है। कई बार वाद-विवाद में तर्क-वितर्क होते रहेंगे। जिसके कारण समय-समय पर धन हानि भी हो सकती है। आपस में प्रेम एवं सौहार्द्र की भी कमी रहेगी। इस प्रकार इनका वैवाहिक जीवन बहुत अच्छा न रहकर निम्न सामान्य स्तर का ही होगा।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में च्जैण्नउपजण ैंतउं एवं च्जण्श्रलवजपण ैंतउं दोनों के राशि स्वामी परस्पर मित्र हैं। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से अति उत्तम मिलान है। ज्यातिष की दृष्टि से यदि च्जैण्नउपजण ैंतउं एवं च्जण्श्रलवजपण ैंतउं के राशिस्वामी परस्पर मित्र होने के कारण इसे अति उत्तम मिलान माना जाता है। जिसके कारण च्जैण्नउपजण ैंतउं एवं च्जण्श्रलवजपण ैंतउं जीवन की हर खुशी एवं सुख प्राप्त करने में सफल होंगे तथा इनमें परस्पर विश्वास, प्रेम, समझ एवं सहयोग की भावना बनी रहेगी। साथ ही हर प्रकार की सुख-सुविधाओं एवं वैभव से परिपूर्ण होंगे।

गण

च्जैण्नउपजण ैंतउं का गण देव तथा च्जण्श्रलवजपण ैंतउं का गण भी देव है। अर्थात दोनों का गण समान है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके प्रभाववश दोनों दयालु, सहृदय, मृदु, सौम्य एवं संवेदनशील स्वभाव के होंगे। साथ ही दोनों एक-दूसरे के अति अनुकूल होंगे तथा एक-दूसरे का काफी ख्याल रखने वाले होंगे। ऐसी स्थिति में वैवाहिक संबंध के उपरांत शांति, सुख, खुशहाली एवं समृद्धि हमेशा कदम चूमती रहेगी।

भकूट

च्जैण्नउपजण ैंतउं से च्जण्श्रलवजपण ैंतउं की राशि नवम भाव में स्थित है तथा च्जण्श्रलवजपण ैंतउं से च्जैण्नउपजण ैंतउं की राशि पंचम भाव में स्थित है जिसके कारण यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। क्योंकि इसमें नवम-पंचम का वैधव्य दोष लग रहा है। जिसके कारण लड़ाई-झगड़े, मुकदमेबाजी, तलाक एवं अनहोनी घटनाएं घट सकती हैं। च्जैण्नउपजण ैंतउं की प्रवृत्ति लॉटरी, सट्टेबाजी, जुआ आदि में धन बर्बाद करने की हो सकती है। अपनी इन बुरी आदतों के कारण पति-पत्नी के बीच कोई प्रेम शेष नहीं रह पाता। फिर भी यह विवाह स्वीकार्य है यदि दोनों के राशि स्वामी एक-दूसरे के मित्र हैं।

नाड़ी

च्जैणनउपजणॅींतउं की नाड़ी आद्य है तथा च्जण्श्रलवजपणॅींतउं की नाड़ी मध्य है। अर्थात दोनों की नाड़ी समान नहीं है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोष मुक्त है। अर्थात यह मिलान अति उत्तम मिलान है। आद्य एवं मध्य नाड़ी का मिलान अति उत्तम माना जाता है क्योंकि इसमें जीवन के तीन आवश्यक घटकों में से दो वात एवं पित्त का समन्वय है। जीवन के अस्तित्व के लिए वात एवं पित्त का समन्वय आवश्यक है। जिसके कारण आपकी संतान काफी बुद्धिमान, स्वस्थ, मानसिक रूप से दृढ़ एवं सौभाग्यशाली होंगी। जो भौतिकवादी विश्व में सुविधा संपन्न जीवन जीने के लिए आवश्यक है।

मेलापक फलित

स्वभाव

च्जैनउपजण्ैंतिउं की जन्म राशि पृथ्वी तत्व युक्त कन्या तथा च्जण्श्रलवजपण्ैंतिउं की राशि भी पृथ्वी तत्व युक्त वृष है। पृथ्वी तत्व की परस्पर नैसर्गिक समता होने के कारण च्जैनउपजण्ैंतिउं और च्जण्श्रलवजपण्ैंतिउं के स्वाभाविक गुणों में समानता होगी फलतः दाम्पत्य संबधों में अनुकूलता रहेगी तथा इनका वैवाहिक जीवन अच्छा रहेगा। अतः मिलान शुभ रहेगा।

च्जैनउपजण्ैंतिउं की जन्म राशि का स्वामी बुध तथा च्जण्श्रलवजपण्ैंतिउं की जन्म राशि का स्वामी शुक्र परस्पर मित्र है। अतः च्जैनउपजण्ैंतिउं और च्जण्श्रलवजपण्ैंतिउं के मध्य मित्रता सहयोग एवं समर्पण का भाव रहेगा। च्जैनउपजण्ैंतिउं और च्जण्श्रलवजपण ीतउं एक दूसरे के गुणों की प्रशंसा करेंगे तथा सच्चे मित्र की तरह कमियों की उपेक्षा करेंगे इससे इनका वैवाहिक जीवन सुख पूर्वक रहेगा तथा एक दूसरे को उचित सम्मान प्रदान करेंगे।

च्जैनउपजण्ैंतिउं और च्जण्श्रलवजपण्ैंतिउं की जन्म राशि परस्पर नवम एवं पंचम भाव में पड़ती है। शास्त्रानुसार यह भकूट दोष माना जाता है। इसके प्रभाव से यदा कदा च्जैनउपजण्ैंतिउं और च्जण्श्रलवजपण्ैंतिउं में अहंकार के भाव की उत्पति होगी तथा इस प्रवृति से एक दूसरे की उपेक्षा तथा आलोचना आदि करेंगे जिससे आपसी संबधों में तनाव आदि उत्पन्न होगा परन्तु यदि च्जैनउपजण्ैंतिउं और च्जण्श्रलवजपण्ैंतिउं सावधानी एवं धैर्य से कार्य करें तो तथा इन प्रवृतियों की उपेक्षा करें तो दाम्पत्य जीवन के सुख में वृद्धि होने की संभावना बन सकती है।

च्जैनउपजण्ैंतिउं का वश्य मानव तथा च्जण्श्रलवजपण्ैंतिउं का वश्य चतुष्पद है। सामान्यतया मानव एवं चतुष्पद के मध्य असमानता तथा शत्रुता का भाव रहता है। अतः इसके प्रभाव से इनकी अभिरूचियों में विषमता रहेगी तथा शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक आवश्यकताएं भी अलग अलग रहेंगी। साथ ही दाम्पत्य संबधों में भी एक दूसरे को प्रसन्न एवं सन्तुष्ट करने में कम ही सफलता प्राप्त करेंगे।

च्जैनउपजण्ैंतिउं और च्जण्श्रलवजपण्ैंतिउं दोनों का वर्ण वैश्य है अतः इनकी कार्य क्षमताएं बराबर होंगी तथा दोनों की प्रवृति धनार्जन में रहेगी तथा व्यापारिक बुद्धि से ये कार्यो को सम्पन्न करेंगे।

धन

च्जैनउपजण्ैंतिउं का जन्म अतिमित्र तथा च्जण्श्रलवजपण्ैंतिउं का सम्पत नामक तारा में हुआ है। इसके प्रभाव से च्जण्श्रलवजपण्ैंतिउं एक धनवान तथा भाग्यशाली महिला होंगी तथा च्जण्श्रलवजपण्ैंतिउं के शुभ प्रभाव से उनकी आर्थिक स्थिति में नित्य वृद्धि होती रहेगी। भकूट का प्रभाव इनकी आर्थिक स्थिति पर सम रहेगा। अतः स्वपरिश्रम से ही इच्छित धन एवं लाभ अर्जित करने में समर्थ रहेंगे। साथ ही मंगल का भी कोई विशेष दुष्प्रभाव नहीं

होगा। इस प्रकार च्जैण्नउपजण्ैीतउं और च्जण्श्रलवजपण्ैीतउं आरामदायक जीवन व्यतीत करने में समर्थ होंगे।

च्जैण्नउपजण्ैीतउं और च्जण्श्रलवजपण्ैीतउं को लाटरी, सट्टे या अन्य स्रोतों से अनायास धन प्राप्ति की संभावना होगी। साथ ही विभिन्न प्रकार के भौतिक संसाधनों का वे उपभोग करने में सफलता प्राप्त करेंगे। इसके अतिरिक्त वे जायदाद तथा आभूषण आदि को भी अर्जित करने में समर्थ होंगे।

स्वास्थ्य

च्जैण्नउपजण्ैीतउं का आद्य तथा च्जण्श्रलवजपण्ैीतउं की मध्य नाड़ी में जन्म हुआ है। अतः नाड़ी दोष का इन पर कोई प्रभाव नहीं होगा लेकिन मंगल के दुष्प्रभाव से च्जण्श्रलवजपण्ैीतउं को समय समय पर स्वास्थ्य संबधी परेशानियों का सामना करना पड़ेगा। इसके प्रभाव से साथ ही गुप्त रोग या अन्य रक्त अथवा पित संबधी परेशानियां समय समय पर उत्पन्न होंगी। इसके अतिरिक्त मासिक धर्म की अनियमिता से भी वे कष्ट की प्राप्ति करेंगी। अतः इसके दुष्प्रभाव को कम करने के लिए च्जण्श्रलवजपण्ैीतउं को नियमित रूप से हनुमानजी की उपासना करनी चाहिए तथा मंगलवार के उपवास रखने चाहिए।

संतान

उचित समय पर संतति प्राप्ति की दृष्टि से च्जैण्नउपजण्ैीतउं और च्जण्श्रलवजपण्ैीतउं का मिलान उत्तम नहीं रहेगा। इसके प्रभाव से उन्हें संतति की प्राप्ति विलम्ब से होगी तथा बच्चों के जन्म के मध्य अंतर भी असामान्य रहेगा फलतः बच्चों की उचित परवरिश करने में च्जैण्नउपजण्ैीतउं और च्जण्श्रलवजपण्ैीतउं को असुविधा का सामना करना पड़ेगा। साथ ही इनके कन्या एवं पुत्रसंतति की संख्या बराबर रहेगी।

गर्भावस्था के प्रारंभिक दिनों में किंचित अनियमिताओं के फलस्वरूप च्जण्श्रलवजपण्ैीतउं को किंचित परेशानीयां हो सकती है। अतः च्जण्श्रलवजपण्ैीतउं को चाहिए कि शुरू से ही अपने स्वास्थ्य का पूर्ण ध्यान रखें तथा खान पान पर भी विशेष ध्यान दें। साथ ही नियमित रूप से डाक्टरी परीक्षण करवाती रहें। इससे परेशानी दूर होंगी तथा सुदंर स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में च्जण्श्रलवजपण्ैीतउं सफल होंगी। इससे पति तथा अन्य पारिवारिक जन भी उनसे प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे।

च्जैण्नउपजण्ैीतउं और च्जण्श्रलवजपण्ैीतउं अपने बच्चों की प्रगति से सन्तुष्ट रहेंगे। बच्चे भी योग्य बुद्धिमान एवं व्यवहार कुशल होंगे तथा अपने कार्य क्षेत्र में इच्छित सफलता एवं प्रसिद्धि प्राप्त करेंगे। इससे अन्य सामाजिक जन भी उनसे प्रभावित तथा प्रसन्न रहेंगे। माता पिता के प्रति उनके मन में समान रूप से श्रद्धा तथा आज्ञापालन का भाव होगा तथा उनकी इच्छा के विरुद्ध वे कोई भी कार्य सम्पन्न नहीं करेंगे। इस प्रकार च्जैण्नउपजण्ैीतउं और च्जण्श्रलवजपण्ैीतउं का पारिवारिक जीवन सुखी रहेगा तथा शांति एवं प्रसन्नता पूर्वक वे अपना समय व्यतीत करेंगे।

ससुराल-सुश्री

च्जण्श्रलवजपण्ैीतउं के अपने ससुराल पक्ष के लोगों से अच्छे संबध रहेंगे साथ ही अन्य जनों की अपेक्षा सास से संबधों में अधिक मधुरता रहेगी। विवाह के बाद च्जण्श्रलवजपण्ैीतउं अत्यंत ही धैर्य एवं परस्पर सामजंस्यता के भाव का पालन करेंगी। उनका यह धैर्य एवं सामंजस्यता का भाव भविष्य में उनके लिए अनुकूल सिद्ध होगा।

साथ ही ससुर के साथ भी सामंजस्य स्थापित करने में उन्हें कोई परेशानी नहीं होगी। अपनी मधुर वाणी एवं विनम्र व्यवहार से उनके हृदय को जीतने में समर्थ रहेंगी। इसी प्रकार अपनी मुक्त मित्रता की प्रवृति के कारण देवर एवं ननदों से भी संबध अनुकूल रहेंगे तथा उनकी ओर से च्जण्श्रलवजपण्ैीतउं पूर्ण सहयोग अर्जित करने में समर्थ रहेंगी।

यद्यपि च्जण्श्रलवजपण्ैीतउं अपनी ओर से समस्त ससुराल पक्ष के लोगों को सन्तुष्ट एवं प्रसन्न करने के लिए सर्वदा तत्पर रहेंगी परन्तु इन लोगों से इन्हें कोई विशिष्ट सहयोग नहीं मिलेगा तथा संबधो में औपचारिकता अधिक रहेगी।

ससुराल-श्री

च्जैण्नउपजण्ैीतउं के अपनी सास से मधुर संबंध रहेंगे तथा आपसी सामंजस्य से इसमें निरन्तर वृद्धि होती रहेगी। सास को च्जैण्नउपजण्ैीतउं अपनी माता के समान आदर प्रदान करेंगे तथा उनकी सेवा तथा सुख सुविधा का भी ध्यान रखेंगे। साथ ही समय समय पर सपत्नीक उनके यहां मिलने जाया करेंगे जिससे संबंधों की प्रगाढ़ता में वृद्धि होगी।

ससुर के साथ भी च्जैण्नउपजण्ैीतउं के संबंधों में मधुरता रहेगी। साथ ही उन का भी इनके प्रति विशेष वात्सल्य रहेगा। व्यक्तिगत मामलों तथा आपसी संबंधों में मित्रता का भाव भी दृष्टिगोचर होगा जिससे एक दूसरे की बातों का आदान प्रदान होता रहेगा। साथ ही साली एवं सालों से भी संबंधों में मित्रता सहानुभूति तथा सहयोग का भाव रहेगा तथा एक दूसरे से औपचारिक संबंध रहेंगे।

इस प्रकार ससुराल के लोगों का दृष्टिकोण च्जैण्नउपजण्ैीतउं के प्रति सम्मानीय रहेगा तथा वे उनके व्यवहार से प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे।